MARKING SCHEME

CLASS – XI (2023-24)

ACCOUNTANCY (903)

NOTE:- Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks will be awarded to them.**

नोट:- मूल्यांकन, अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। अंकन योजना का सख्ती से पालन और आदर्श रूप से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, उत्तरों का मूल्यांकन करते समय जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान और/या नवाचार पर आधारित हैं, उनकी शुद्धता के लिए उनका मूल्यांकन किया जा सकता है अन्यथा उन्हें अंक दिए जाएंगे।

Q No.	Questions	Marks

Q No.	Questions	Marks
1.	(d) All of the above. (द) उपर्युक्त सभी	1
2.	(c) Capital = Assets – Liabilities (स) पूँजी= संपत्ति - देयताएं	1
3.	(c) An assets (स) एक सम्पति	1
4.	i. Identifying the transactions. लेन-देन की पहचान ii. Communicating Information सूचनाओं का सम्प्रेषण	½ ½
5.	Debit what comes in and credit what goes out. जो आया डेबिट और जो गया क्रेडिट	1
6.	(a) Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion (A). (अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।	1
7.	(a)Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion(A).	1

Download from www.MsEducationTv.com

	(अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है	
8.	(a) Assertion (A) and Reason (R) are correct but Reason (R) is not the correct explanation of Assertion(A) (अ) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं ह	1
9.	Goods that are purchased for selling in business on credit. व्यापार में बेचने के लिए जो माल उधार खरीदा गया है।	1
10.	Owners / management स्वामी/प्रबंध	1
11.	Purchase of goods debited to Furniture A/c. (any other as per examiner)	1
12.	Current Liabilities चालू दायित्व	1
13.	(b) Wages A/c (ब) मजदूरी खाते	1
14.	(c) Either balance of cashbook or balance of passbook. (स) या तो रोकड़ बही के शेष से या फिर पास बुक के शेष से	1
15.	(d) None of these (द) इसमे से कोई नही	1
16.	i. **Goods:**-The things which are bought and sold by businesses are called goods. Goods may be raw material work in progress of finished goods. In accounting, when goods are purchased it is written as purchases. When goods are sold it is written as sales. माल (Goods) :- वे वस्तुएँ जिन्हें व्यवसायियों द्वारा खरीदा और बेचा जाता है, माल कहलाती हैं। माल, कच्चा माल, निर्माणाधीन माल और तैयार माल के रूप में हो सकता है। लेखांकन में, जब माल खरीदा जाता है तो इसे खरीद के रूप में लिखा जाता है। जब माल बेचा जाता है तो इसे बिक्री के रूप में लिखा जाता है। ii. **Expenditure:**-An expenditure represents a payment with either cash or credit to purchase goods or services. It is recorded at a single point in time (the time of purchase), compared to an expense that is recorded in a period where it has been used up or expired. खर्चा (Expenditure): - एक व्यय वस्तुओं या सेवाओं को खरीदने के लिए नकद या क्रेडिट के साथ भुगतान का प्रतिनिधित्व करता है। यह समय (खरीद के समय) के एक बिंदु पर दर्ज किया गया है, एक व्यय की तुलना में जो उस अवधि में दर्ज किया गया है जहां इसका उपयोग किया गया है या समाप्त हो गया है। iii. **Creditor:**-A creditor is an individual or entity that is owed money. Typically, the creditors of a business are its suppliers, which have provided it with goods and services, and in exchange expect to be paid by an agreed-upon date. Or, the business owes money to a lender, which also expects to be repaid at a later date.	½ mark each

Download from www.MsEducationTv.com

लेनदार: - एक लेनदार एक व्यक्ति या संस्था है जिस पर पैसा बकाया है। आमतौर पर, किसी व्यवसाय के लेनदार उसके आपूर्तिकर्ता होते हैं, जिन्होंने इसे सामान और सेवाएं प्रदान की हैं, और बदले में एक सहमत तिथि तक भुगतान की उम्मीद करते हैं। या, व्यवसाय पर एक ऋणदाता का पैसा बकाया है, जिसे बाद की तारीख में चुकाने की भी उम्मीद है।

iv. **Drawings:-** Drawings refers to the act of withdrawing cash or assets from the company by the owner(s) for personal use.

आहरण:- आहरण निजी उपयोग के लिए मालिक (मालिकों) द्वारा कंपनी से नकद या संपत्ति निकालने के कार्य को संदर्भित करता है।

17. Examples of Provisions:- (any two) 1/2 +1/2

i. Provision for depreciation मूल्यह्रास के लिए प्रावधान
ii. Provision for bad and doubtful debts अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान
iii. Provision for taxation कराधान के लिये प्रावधान
iv. Provision for discount on debtors देनदारों पर छूट का प्रावधान ½+ ½

Examples of Reserves:- (any two)

i. General reserve सामान्य संचय
ii. Workmen compensation fund कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष
iii. Investment fluctuation fund निवेश उतार-चढ़ाव कोष
iv. Dividend equalization fund लाभांश समकारी निधि

OR 1+1

Difference between Provisions and Reserves:- (any two)

BASIS FOR COMPARISON	**PROVISION**	**RESERVE**
Meaning	The Provision means to provide for a future expected liability.	Reserves means to retain a part of profit for future use.
What is it?	Charge against profit	Appropriation of profit
Provides For	Known liabilities and anticipated losses	Increase in capital employed
Presence of profit	Not necessary	Profit must be present for the creation of reserves, except for some special reserves.
Appearance in Balance Sheet	In case of assets it is shown as a deduction from the concerned	Shown on the liabilities side.

Download from www.MsEducationTv.com

	asset while if it is a provision for liability, it is shown in the liabilities side.	
Compulsion	Yes, as per GAAP	Optional except for some reserves whose creation is obligatory.
Payment of Dividend	Dividend can never be paid out of provisions.	Dividend can be paid out of reserves.
Specific use	Provisions can only be used, for which they are created.	Reserves can be used otherwise.
अर्थ	प्रावधान का मतलब भविष्य की अपेक्षित देयता के लिए इसका निर्माण करना है।	संचय का अर्थ लाभ का एक भाग भविष्य के उपयोग के लिए अपने पास रखना है।
ये क्या है?	लाभो पर प्रभार	लाभ का विनियोग
प्रदान करना	ज्ञात देनदारियां और प्रत्याशित हानियां	नियोजित पूंजी में वृद्धि
लाभ की उपस्थिति	आवश्यक नही	कुछ विशेष संचायो को छोड़कर, अन्य संचयों के निर्माण के लिए लाभ मौजूद होना चाहिए।
चिट्ठे में स्तिथि	संपत्ति के मामले में इसे संबंधित संपत्ति से कटौती के रूप में दिखाया गया है, जबकि यदि यह देयता के लिए प्रावधान है, तो इसे देनदारियों के पक्ष में दिखाया गया है।	देयता पक्ष में दर्शाया जाता है ।
बाध्यता	हाँ, GAAP के अनुसार	कुछ संचयो को छोड़कर जिनका निर्माण अनिवार्य है वैकल्पिक है।
लाभांश भुगतान	लाभांश का भुगतान कभी भी प्रावधानों से नही होता है ।	लाभांश का भुगतान संचय मेवसे किया जा सकता है ।
विशिष्ट प्रयोग		

Download from www.MsEducationTv.com

		प्रावधानों का उपयोग केवल उसके लिए किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाए गए हैं।	सअनय का उपयोग अन्यथा किया जा सकता है।	
18.	Total Sales = Cash Sales + Credit Sales = Rs.60,000 + Rs.40,000 = Rs.1,00,000 Let cost = Rs.100, Gross profit = 25% on cost, Sales = cost + gross profit Sales = Rs.100 + Rs.25 =Rs.125 If sales is 125 then gross profit = 25 If sales is Rs.1,00,000 then gross profit = 25/125 x 1,00,000= Rs.20,000 Cost of Goods Sold = Sales - Gross Profit = Rs.1,00,000 - Rs.20,000 = Rs.80,000 Cost of Goods Sold = Opening Stock + Purchases - Closing Stock So, Closing stock = Opening Stock + Purchases - Cost of Goods Sold = Rs.20,000 + Rs.70,000 - Rs.80,000 = Rs.10,000.			1/2 1/2 1/2 1/2 (Total 2 marks)
19.	I. **Conservatism concept**:- The conservatism concept is a concept in accounting which refers to the idea that expenses and liabilities should be recognised as soon as possible in a situation where there is uncertainty about the possible outcome and in contrast record assets and revenues only when they are assured to be received. रूढ़िवाद की अवधारणा: - रूढ़िवाद की अवधारणा लेखांकन में एक अवधारणा है जो इस विचार को संदर्भित करती है कि व्यय और देनदारियों को जितनी जल्दी हो सके एक ऐसी स्थिति में पहचाना जाना चाहिए जहां संभावित परिणाम के बारे में अनिश्चितता हो और इसके विपरीत रिकॉर्ड संपत्ति और राजस्व केवल जब उन्हें प्राप्त करने का आश्वासन दिया गया है। II. **Materiality concept**:-Materiality concept in accounting refers to the concept that all the material items should be reported properly in the financial statements. Material items are considered as those items whose inclusion or exclusion results in significant changes in the decision making for the users of business information.			1 1

Download from www.MsEducationTv.com

	भौतिकता अवधारणा: - लेखांकन में भौतिकता अवधारणा इस अवधारणा को संदर्भित करती है कि सभी भौतिक वस्तुओं को वित्तीय विवरणों में ठीक से रिपोर्ट किया जाना चाहिए। भौतिक वस्तुओं को उन वस्तुओं के रूप में माना जाता है जिनके समावेश या बहिष्करण के परिणामस्वरूप व्यावसायिक जानकारी के उपयोगकर्ताओं के लिए निर्णय लेने में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। **OR** I. **Consistency concept:-**According to the consistency concept, once a business has decided on a particular method for treating an accounting item, it will treat all similar items in the same way in the future. एकरूपता अवधारणा: - स्थिरता अवधारणा के अनुसार, एक बार जब कोई व्यवसाय किसी लेखांकन मद के उपचार के लिए एक विशेष विधि पर निर्णय लेता है, तो वह भविष्य में सभी समान वस्तुओं को उसी तरह से व्यवहार करेगा। **II. Historical cost**:- The historical cost principle states that a company or business must account for and record all assets at the original cost or purchase price on their balance sheet. No adjustments are made to reflect fluctuations in the market or changes resulting from inflationary fluctuations. ऐतिहासिक लागत: - ऐतिहासिक लागत सिद्धांत बताता है कि एक कंपनी या व्यवसाय को अपनी बैलेंस शीट पर मूल लागत या खरीद मूल्य पर सभी संपत्तियों का लेखा-जोखा रखना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव या मुद्रास्फीति के उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप होने वाले परिवर्तनों को दर्शाने के लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता है ।	1 1
20.	The double-entry system of accounting or bookkeeping means that for every business transaction, amounts must be recorded in a minimum of two accounts. The double-entry system also requires that for all transactions, the amounts entered as debits must be equal to the amounts entered as credits. लेखांकन या पुस्तपालन पद्धति की दोहरी लेखा प्रणाली का अर्थ है कि प्रत्येक व्यावसायिक लेनदेन के लिए राशियों को न्यूनतम दो खातों में दर्ज किया जाना चाहिए। दोहरी लेखा प्रणाली के लिए यह भी आवश्यक है कि सभी लेन-देन के लिए, डेबिट के रूप में दर्ज की गई राशि क्रेडिट के रूप में दर्ज की गई राशि के बराबर होनी चाहिए। Example of a Double-Entry System दोहरी लेखा प्रणाली का उदाहरण To illustrate double entry, let's assume that a company borrows Rs.10,000 and a liability account must be increased by Rs.10,000. To increase an asset, a debit entry is required. To increase a liability, a credit entry is required. Hence, the account Cash will be debited for Rs.10,000 and the liability Loans Payable will be credited for Rs.10,000.	2

Download from www.MsEducationTv.com

	दोहरी प्रविष्टि को समझने के लिए, मान लें कि एक कंपनी ने 10,000 रुपये उधार लिए हैं और देयता खाते में 10,000 रुपये की वृद्धि होनी चाहिए। किसी संपत्ति को बढ़ाने के लिए डेबिट प्रविष्टि की आवश्यकता होती है। देयता बढ़ाने के लिए, एक क्रेडिट प्रविष्टि की आवश्यकता होती है। इसलिए, खाते से 10,000 रुपये के लिए नकद डेबिट किया जाएगा और देय देयता ऋण 10,000 रुपये के लिए जमा किया जाएगा।	
21.	Accounting is a process of identifying the events of financial nature, recording them in the journal, classifying in their respective accounts and summarising them in profit and loss account and balance sheet and communicating results to users of such information. Objectives of Accounting:- (any two) 1. Recording business transactions systematically. 2. Determining profit earned or loss incurred. 3. Ascertaining financial position of the firm. 4. Assisting management. लेखांकन वित्तीय प्रकृति की घटनाओं की पहचान करने, उन्हें जर्नल में दर्ज करने, उनके संबंधित खातों में वर्गीकृत करने और उन्हें लाभ और हानि खाते और बैलेंस शीट में सारांशित करने और ऐसी जानकारी के उपयोगकर्ताओं को परिणाम संप्रेषित करने की एक प्रक्रिया है। लेखांकन के उद्देश्य :- (कोई दो) 1. व्यापारिक लेन-देनों का व्यवस्थित ढंग से अभिलेखन करना। 2. अर्जित लाभ या हानि का निर्धारण। 3. फर्म की वित्तीय स्थिति का पता लगाना। 4. सहायक प्रबंधन।	1 1/2 + 1/2

Download from www.MsEducationTv.com

Q.22

(1/2)mark for each transaction).

Accounting Equation

Sr. No.	Transactions	Assets				Liabilities + Capital	
		Cash +	Stock +	Debtors	=	Liabilities +	Capital
1.	Started business with cash	1,50,000			=		1,50,000
2.	New Equation Bought goods for cash and credit	1,50,000 (-) 80,000	0 + 80,000 + 40,000	0	= = =	0 +40,000	1,50,000
3.	New Equation Sold goods at profit & half of the payment received in cash	70,000 +45,000	1,20,000 -75,000	0 +45,000	= =	40,000	1,50,000 +15,000
4.	New Equation Rent & Salaries Paid	1,15,000 (-) 200 (-) 4,000	45,000	45,000	= = =	40,000	1,65,000 (-) 200 (-) 4,000
5.	New Equation Goods sold on credit	1,10,800	45,000 (-) 10,000	45,000 +12,000	=	40,000	1,60,800 +2,000
6.	New Equation Paid insurance	1,10,800 (-) 2,000	35,000	57,000	= =	40,000	1,62,800 (-) 2,000
	Final Equation	1,08,800 +	35,000 +	57,000 +	=	40,000 +	1,60,800

Download from www.MsEducationTv.com

23.

JOURNAL

Date	Particulars	L.F	Debit (Rs.)	Credit (Rs.)	
1.	Cash A/c Dr. Purchase A/c Dr. Furniture A/c Dr. To Capital A/c (Business started with cash, Goods and Furniture)		80,000 40,000 20,000	 1,40,000	1 marks
2.	Nandlal Dr. To Sales A/c (Good sold at trade discount)		18,000	18,000	1 marks
3.	Cash A/c Dr. Discount Allowed A/c Dr. To Sales A/c (Goods for Rs.80,000 sold at 10% trade discount and 3% cash discount)		69,840 2,160	 72,000	1 marks
	TOTAL		2,30,000	2,30,00	

24.

Meaning of Bank Reconciliation Statement:- A bank reconciliation statement is a form used to compare internal records of checking account activity to those stated by the bank. It itemizes the deposits, withdrawals, and other activities impacting the checking account for a one-month period. The intent of the statement is to uncover any differences between the Balance of Cash Book and Balance of Pass Book which can then be corrected. — 1 mark

Importance of Bank Reconciliation Statement:- (any two points) — (1+1)

1. The correctness of the balances presented in the pass book and cash book is ensured by the bank reconciliation statement.
2. The bank reconciliation statement ensures that the entries in both books are correct.
3. The bank reconciliation statement aids in the detection and correction of any errors made in both books.
4. The bank reconciliation statement aids in the updating of the cash book by revealing some entries that have yet to be recorded.

बैंक समाधान विवरण का अर्थ:- बैंक समाधान विवरण बैंक द्वारा बताए गए खातों की जांच के आंतरिक रिकॉर्ड की तुलना करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक विवरण है। यह एक महीने की अवधि के लिए खाते को प्रभावित करने वाली जमा, निकासी और अन्य गतिविधियों को सूचीबद्ध करता है। विवरण का इरादा जानकारी के दो सेटों के बीच किसी भी अंतर को उजागर करना है, जिसे ठीक किया जा सकता है।

Download from www.MsEducationTv.com

बैंक समाधान विवरण का महत्व:- (कोई दो बिन्दु)

1. पासबुक और रोकड़ बही में प्रस्तुत शेष राशि की शुद्धता बैंक समाधान विवरण द्वारा सुनिश्चित की जाती है।

2. बैंक समाधान विवरण यह सुनिश्चित करता है कि दोनों पुस्तकों में प्रविष्टियां सही हैं।

3. बैंक समाधान विवरण दोनों पुस्तकों में की गई किसी भी त्रुटि का पता लगाने और उसमें सुधार करने में सहायता करता है।

4. बैंक समाधान विवरण कुछ प्रविष्टियों को प्रकट करके रोकड़ बही को अद्यतन करने में सहायता करता है जिन्हें अभी तक दर्ज नहीं किया गया है।

OR

Sr. No.	Particulars	Plus Items (Rs.)	Minus Items (Rs.)
1.	Debit balance as per Cashbook	10,000	
2.	Cheque issued but not presented for payment	500	
3.	Cheque deposited but dishonoured		295
4.	Less amount credited in passbook		720
5.	Under casting of withdrawal column of cashbook		200
6.	Bank Charges not recorded in cash book		250
	Balance as per Passbook	9035	
		10,500	**1,465**

½ ×6

25. A ledger, also known as the second book of entry, is a record-keeping system that records all of a company's classified financial data. Transactions are recorded in the ledger in different accounts as debits and credits.

The advantages of a ledger are as follows: (any two)

1. It collects information.
2. It shows the financial position at any given point in time.
3. It helps in maintaining classified accounts.
4. Helps in preparing a trial balance.
5. It provides statistical data.
6. It determines the result of each account

खाताबही, जिसे प्रविष्टि की दूसरी पुस्तक के रूप में भी जाना जाता है, एक आभलेख रखने की प्रणाली है, जो कंपनी के सभी वर्गीकृत वित्तीय डेटा को रिकॉर्ड करता है। लेन-देन खाताबही में डेबिट और क्रेडिट के रूप में विभिन्न खातों में दर्ज किए जाते हैं।

खाता बही के लाभ इस प्रकार हैं: (कोई दो)

1. यह जानकारी एकत्र करता है।
2. यह किसी भी समय पर वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।

1 mark

(1+1)

Download from www.MsEducationTv.com

3. यह वर्गीकृत खातों को बनाए रखने में मदद करता है।
4. तलपट तैयार करने में मदद करता है।
5. यह सांख्यिकीय डेटा प्रदान करता है।
6. यह प्रत्येक खाते का परिणाम निर्धारित करता है।

26.

SALES BOOK

Date	Name of the customer (Account to be debited)	Invoice No.	Details Rs.	Total Rs.
Sep 01	AMIT TRADERS	4321		
	20 Pocket Radio @Rs 700 per radio		14,000	
	20 T.V Sets @ Rs 15,000 per T.V		3,00,000	3,14,000
07	HANDA ELECTRONICS			
	10 Mixer Juicer @ Rs 8,000 each	4351	80,000	
	Less- Trade Discount@10%		(8,000)	72,000
	Sales A/c Cr.			3,86,000

1.5 marks for each

27.

JOURNAL

Date	Particulars	L.F	Debit (Rs.)	Credit (Rs.)
1.	Mahesh Dr.		1,000	
	Suspense A/c Dr.		3,000	
	To Mohit			4,000
	(Cash received from Mohit Rs.4,000 wrongly posted to Mahesh as Rs.1,000 now rectified)			
2.	Purchase A/c Dr.		6,000	
	To Suspense A/c			6,000
	(Good sold at trade discount)			
3.	Repairs A/c Dr.		1,600	
	To Machinery A/c			1,600
	(Repairs on machinery Rs.1,600 was wrongly debited to machinery A/c)			

1 mark
1 mark
1 mark

OR

i. **Error of principles:-** Error of principles refers such errors arise when the entries are not recorded according to the fundamental principles of accountancy, e.g., wrong allocation of expenditure between capital and revenue, ignoring the outstanding assets and liabilities, valuation of assets against the principles of book-keeping. For example:- Expenses

1.5 marks

Download from www.MsEducationTv.com

		Paid for Installation of Machinery Debited to Expenses Account- In this transaction, expenses paid for the installation of machinery which is a capital expenditure and should be debited to machinery account has been treated as revenue expenditure and wrongly debited sundry expenses account. This error violates the accounting principle. सिद्धान्त की त्रुटियां- सिद्धांत की त्रुटि का अर्थ है ऐसी त्रुटियां उत्पन्न होना हैं जब प्रविष्टियां लेखांकन के मौलिक सिद्धांतों के अनुसार दर्ज नहीं की जाती हैं, उदाहरण के लिए, पूंजी और आयगत के बीच व्यय का गलत आवंटन, बकाया संपत्ति और देनदारियों की अनदेखी, खाताबही के सिद्धांतों के विरुद्ध संपत्ति का मूल्यांकन । उदाहरण के लिए:- मशीनरी की स्थापना के लिए भुगतान किया गया व्यय, व्यय खाते में डेबिट किया गया- इस लेनदेन में, मशीनरी की स्थापना के लिए भुगतान किया गया व्यय जो पूंजीगत व्यय है और जिसे मशीनरी खाते में डेबिट किया जाना चाहिए, को आयगत व्यय के रूप में माना गया है और गलत तरीके से विविध व्यय खाते में डेबिट किया गया है। यह त्रुटि लेखांकन सिद्धांत का उल्लंघन करती है।	
ii.	**Errors of commission:-** Errors of commission is one of the types of errors in accounting or in other words, accounting errors. It is caused when an accountant or the bookkeeper makes a debit or credit correctly in the account but in the wrong subsidiary books. Errors of commission is a type of clerical error that happens when a mistake is committed by the clerk in recording of transactions in the book of accounts. The errors of commission are basically errors in arithmetical accuracy. The following scenarios can lead to errors of commission: 1. Recording of wrong amount in the correct subsidiary books. 2. Recording of correct amount in the wrong subsidiary book. 3. Incorrect totaling of the subsidiary books. 4. Incorrect totaling of the ledger balances. आयोग की त्रुटियां:- आयोग की त्रुटियां लेखांकन में या दूसरे शब्दों में, लेखांकन त्रुटियों में से एक प्रकार की त्रुटियां हैं। यह तब होता है जब एक लेखाकार या बहीखाताकर्ता खाते में सही ढंग से डेबिट या क्रेडिट करता है लेकिन गलत सहायक पुस्तकों में। आयोग की त्रुटियां एक प्रकार की लिपिकीय त्रुटि है जो तब होती है जब लेखा पुस्तकों में लेन-देन की रिकॉर्डिंग में क्लर्क द्वारा गलती की जाती है। कमीशन की त्रुटियां मूल रूप से अंकगणितीय सटीकता में त्रुटियां हैं। निम्नलिखित परिदृश्यों से आयोग की त्रुटियां हो सकती हैं:	1.5 marks

Download from www.MsEducationTv.com

	1. सही सहायक पुस्तकों में गलत राशि दर्ज करना 2. गलत सहायक बही में सही राशि दर्ज करना 3. सहायक पुस्तकों का गलत जोड़ 4. बहीखाता शेष का गलत जोड़	
28.	Machinery A/c	1 mark 2 marks 2 marks

Date	Particulars	Amount	Date	Particulars	Amount
2018 April 01	To Bank A/c	1,20,000	2019 31st March	By Depreciation A/c By Balance c/d	18,000 1,02,000
		1,20,000			1,20,000
2019 01 April 30 Sept	To Balance c/d To Bank A/c	1,02,000 20,000	2020 31st March 31st March	By Depreciation A/c I 15,300 II 1,500 By Balance c/d I 86,700 II 18,500	16,800 1,05,200
		1,22,000			1,22,000
2020 01 April 30th June	To Balance c/d I 86,700 II 18,500 To Bank A/c	1,05,200 8,000	2020 30 June 2021 31st March	By Dep. A/C By Bank By Profit & Loss A/c By Dep. A/c I 12,463 II 2,775 III 900 By Balance c/d I 70,625 II 15,725 III 7,100	136 500 2,976 16,138 93,450
		1,13,200			1,13,200

OR

Differences between Straight line method and Written down value method(any four):-

Download from www.MsEducationTv.com

BASIS FOR COMPARISON	SLM	WDV
Meaning	A method of depreciation in which the cost of the asset is spread uniformly over the life years by writing off a fixed amount every year.	A method of depreciation in which a fixed rate of depreciation is charged on the book value of the asset, over its useful life.
Calculation of depreciation	On the original cost	On the written down value of the asset.
Annual depreciation charge	Remains fixed during the useful life.	Reduces every year
Value of asset	Completely written off	Not completely written off
Amount of depreciation	Initially lower	Initially higher
Impact of repairs and depreciation on P&L A/c	Increasing trend	Remains constant
Appropriate for	Assets with negligible repairs and maintenance like leases, copyright.	Assets whose repairs increase, as they get older like machinery, vehicles etc.
अर्थ	मतलब मूल्यह्रास की एक विधि जिसमें संपत्ति की लागत हर साल एक निश्चित राशि को अपलिखित करके जीवन के वर्षों में समान रूप से फैलाई जाती है। मूल्यह्रास की एक विधि जिसमें मूल्यह्रास की एक निश्चित दर को संपत्ति के बुक वैल्यू पर उसके उपयोगी जीवन पर लगाया जाता है।	मूल्यह्रास की एक विधि जिसमें मूल्यह्रास की एक निश्चित दर को संपत्ति के बुक वैल्यू पर उसके उपयोगी जीवन पर लगाया जाता है।
मूल्यह्रास की गणना	मूल लागत पर	संपत्ति के लिखित मूल्य पर।
वार्षिक मूल्यह्रास	उपयोगी जीवन के दौरान स्थिर रहता है।	प्रतिवर्ष घटता रहता है।
सम्पत्ति का मूल्य	पूरी तरह से अपलिखित	पूरी तरह से अपलिखित नही

1 mark per point

Download from www.MsEducationTv.com

	मूल्यह्रास की राशि	प्रारम्भ में काम	प्रारम्भ में ज्यादा	
	लाभ-हानि खाते पर मरम्मत और मूल्यह्रास का प्रभाव	प्रतिवर्ष असमान, अंतिम वर्ष में बढ़ता है।	प्रतिवर्ष लगभग समान	
	उपयोगिता	पट्टे, कॉपीराइट जैसे नगण्य मरम्मत और रखरखाव वाली संपत्ति।	ऐसी सम्पतियां जिनके पुराना होने पर उनकी मरम्मत लागत बढ़ती जाती है, जैसे मशीनरी, वाहन आदि।	

29.

Cashbook A/c

Date	Particulars	Cash	Bank	Date	Particulars	Cash	Bank
2022 Sept 01	To Balance b/d	7,500		2022 Sept 01	By Balance b/d		3,500
05	To Sales A/c	7,000		03	By Wages A/c	200	
10	To Cash A/c (Contra)		4,000	10	By Bank A/c(contra)	4,000	
30	**To Balance c/d**		**1,900**	20	By purchase A/c		2,000
				25	By Drawing A/c	1,000	400
				30	By Salary A/c		
				30	**By Balance c/d**	**9,300**	
		14,500	**5,900**			**14,500**	**5,900**

1 marks for closing balance And ½ Marks for every other entry

OR

Cash book:- Cash book is a special type of book that is only concerned with the recording of cash transactions of an organisation. It performs the dual role of both journal and a ledger for all the cash transactions taking place in a business organisation.

A cash book records all the cash receipts on the debit side and all the cash payments of the organisation on the credit side.

Types of Cashbook:- There are three types of cash books used for accounting purposes. Let us have a look at the types of cash books.

1.Single column cash book

2.Double column cash book

3. Petty cash book

2 marks

Download from www.MsEducationTv.com

	Single column cash book: Single column cash book is also called a simple cash book. It presents entries for cash received (receipts) on the left side or debit side and cash payments on the right hand side or credit side. The bank transactions and the discounts that are given for transactions will be featured in separate ledger accounts in case of single-column cash books. Cash books are updated on a daily basis in some business firms. The most striking feature of a cash book is that it can never have a credit balance. It should always show a debit balance. **Double Column cash book**: In a double column cash book, there is an additional column that is reserved for the Bank transactions. Therefore, in a double-column cash book, also known as two-column cash book, the cash receipts and transactions are recorded in one column while the second column records received from bank and paid to banks. The cash column is used to record all cash transactions and works as a cash account, whereas, bank column is used to record all receipts and payments made by cheques, and works like a bank account. Both the columns are totaled and balanced like a traditional T-account at the end of the respective accounting period. **Petty cash book**: Petty cash book, as the name suggests, is for very small transactions that take place in an organisation. Such transactions can occur in a day and are repetitive in nature, which can put undue load on the general cash book. For this reason, it is maintained separately. Examples of such transactions are: stationery, postage, food bills, etc. रोकड़ बही:- रोकड़ बही एक विशेष प्रकार की बही है जो केवल किसी संगठन के नकद लेनदेन की रिकॉर्डिंग से संबंधित है। यह एक व्यावसायिक संगठन में होने वाले सभी नकद लेनदेन के लिए जर्नल और लेजर दोनों की दोहरी भूमिका निभाता है। एक रोकड़ बही डेबिट पक्ष में सभी नकद प्राप्तियों और क्रेडिट पक्ष पर संगठन के सभी नकद भुगतानों को दर्ज करती है। रोकड़ बही के प्रकार:- लेखांकन उद्देश्यों के लिए तीन प्रकार की रोकड़ बही का उपयोग किया जाता है। आइए कैश बुक के प्रकारों पर एक नजर डालते हैं। 1. एक कॉलम रोकड़ बही 2. दओ कॉलम रोकड़ बही 3. लघु रोकड़ बही एक कॉलम रोकड़ बही: एक कॉलम रोकड़ बही को सिंपल रोकड़ बही भी कहा जाता है। यह बाईं ओर या डेबिट पक्ष में नकद प्राप्त (रसीदें) और दाईं ओर या क्रेडिट पक्ष पर नकद भुगतान के लिए प्रविष्टियां प्रस्तुत करता है।	1 mark 1 mark 1 mark

Download from www.MsEducationTv.com

	बैंक लेन-देन और लेन-देन के लिए दी जाने वाली छूट एकल-स्तंभ नकद पुस्तकों के मामले में अलग-अलग खाता बही में प्रदर्शित की जाएगी। कुछ व्यावसायिक फर्मों में रोकड़ बही दैनिक आधार पर अद्यतन की जाती हैं। रोकड़ बही की सबसे खास बात यह है कि इसमें कभी भी क्रेडिट शेष नहीं हो सकता है। इसे हमेशा डेबिट शेष दिखाना चाहिए। दओ कॉलम रोकड़ बही: दो कॉलम रोकड़ बही में, एक अतिरिक्त कॉलम होता है जो बैंक लेनदेन के लिए आरक्षित होता है। इसलिए, एक दो-कॉलम रोकड़ बही में, जिसे द्वि-कॉलम रोकड़ बही के रूप में भी जाना जाता है, नकद प्राप्तियां और लेनदेन एक कॉलम में दर्ज किए जाते हैं, जबकि दूसरे कॉलम में बैंक से प्राप्त रिकॉर्ड और बैंकों को भुगतान किया जाता है। रोकड़ कॉलम का उपयोग सभी नकद लेनदेन को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है और यह रोकड़ खाते के रूप में काम करता है, जबकि बैंक कॉलम का उपयोग चेक द्वारा की गई सभी प्राप्तियों और भुगतानों को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है, और बैंक अकाउंट की तरह काम करता है। संबंधित लेखा अवधि के अंत में दोनों कॉलम पारंपरिक टी-आकार खाते की तरह जोड़े और संतुलित किए जाते हैं। लघु रोकड़ बही : लघु रोकड़ बही, जैसा कि नाम से पता चलता है, एक संगठन में होने वाले बहुत छोटे लेनदेन के लिए है। ऐसे लेन-देन एक दिन में हो सकते हैं और प्रकृति में दोहराव वाले होते हैं, जो सामान्य रोकड़ बही पर अनुचित भार डाल सकते हैं। इस कारण इसे अलग से बनाया किया जाता है। ऐसे लेन-देन के उदाहरण हैं: स्टेशनरी, डाक खर्च, भोजन बिल आदि।	
30.	**Profit and loss (P&L):-** Profit and loss (P&L) statement refers to a financial statement that summarizes the revenues, costs, and expenses incurred during a specified period, usually a quarter or fiscal year. These records provide information about a company's ability or inability to generate profit by increasing revenue, reducing costs, or both. P&L statements are often presented on a cash or accrual basis. Company managers and investors use P&L statements to analyze the financial health of a company. **Importance:- (with explanation)** 1. To find net profit. 2. To find total expenses. 3. To find the ratio between net profit and sales.	1 mark (1 x 4 mark)

Download from www.MsEducationTv.com

4. Helps in reducing indirect expenses.

लाभ और हानि (P&L): - लाभ और हानि (P&L) विवरण एक वित्तीय विवरण को संदर्भित करता है जो एक निर्दिष्ट अवधि के दौरान आमतौर पर एक तिमाही या वित्तीय वर्ष में किए गए आगम, लागत और व्यय का सारांश देता है। ये रिकॉर्ड किसी कंपनी की आगम बढ़ाने, लागत कम करने, या दोनों के द्वारा लाभ उत्पन्न करने की क्षमता या अक्षमता के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। P&L विवरण अक्सर नकद या उपार्जन आधार पर प्रस्तुत किए जाते हैं। कंपनी के प्रबंधक और निवेशक किसी कंपनी के वित्तीय स्वास्थ्य का विश्लेषण करने के लिए P&L विवरण का उपयोग करते हैं।

1 mark

महत्व:- (व्याख्या सहित)

1. शुद्ध लाभ ज्ञात करना।
2. कुल व्यय ज्ञात करना।
3. शुद्ध लाभ और बिक्री के बीच का अनुपात ज्ञात करना।
4. अप्रत्यक्ष खर्चों को कम करने में मदद करता है।

(1X4 marks)

OR

Trading A/c and Profit & Loss A/C
For the Year ended March31,2011

Dr **Cr**

Particulars	Amount(Rs)	Particulars	Amount(Rs)
Opening stock	60,220	Sales 2,81,500	
Purchases 1,99,080		Less:- Returns (1,870)	2,79,630
Less: returns (1,450)	1,97,630	Closing stock	70,000
Carriage	5,170		
Gross profit c/d	86,610		
	3,49,630		3,49,630
Discount allowed	3,960	Gross profit b/d	86,610
Bank charges	100	Discount received	2,980
Salaries	6,420		
Rent & taxes	7,680		
General expenses	3,630		
Insurance 750			
Less:- Prepaid			
Insurance 50	700		
Bad debts 1,250			

1 Mark

2 Marks

Download from www.MsEducationTv.com

Add: New provision For bad debts 8,274 Less:- Old provision for bad debts 4,650 Net profit (transferred to capital A/c)	4,874 62,226			
	89,590		89,590	

Balance sheet as at March 31, 2011

Liabilities	Amount	Assets	Amount	
Creditors	18,670	Cash	13,870	2 Marks
Loan	15,000	Book debts 82,740		
Capital 1,50,000		Less:- reserve for bad		
Add:- net profit 62,226		debts 8,274	74,466	
Less:- drawings 6,300	2,05,926	Bills receivable	1,860	
		Land and building	42,580	
		Furniture	5,130	
		Plant & machinery	31,640	
		Insurance (prepaid)	50	
		Closing stock	70,000	
	2,39,596		2,39,596	

Download from www.MsEducationTv.com